International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

ओवर–द–टॉप (ओटीटी) मंच और आधुनिक फिल्मी लोकगीत – एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

शुभी अग्रवाल[1], प्रो. रूचि गुप्ता[2]

[1]शोधार्थिनी–लेखिकाएं , शुभी अग्रवाल (SHUBHI AGRAWAL), Ph.d. Research Scholar, M.A. (Vocal Music)
[2]शोध पर्यवेक्षिका एवं संगीत विभागाध्यक्ष, प्रो. रूचि गुप्ता (PROF. RUCHI GUPTA)
साहू रामस्वरूप महिला महाविद्यालय, बरेली, उत्तर प्रदेश
महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली, उत्तर प्रदेश

सारांश :
आधुनिक समय में ओटीटी मंच मनोरंजन की दुनिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करने की ओर निरन्तर अग्रसर हो रहा है। आज ओटीटी मंच ने हमें इस बात से अवगत कराया है कि हम अपने मनोरंजन के लिए इन्टरनेट का उपयोग इस दिशा में भी कर सकते हैं। ओटीटी मंच केवल छुट–पुट गीत–संगीत को ही प्रसारित नहीं करता बल्कि आधुनिक समय में यह सुगम और लोकसंगीत का बहुत बड़ा उदाहरण बन गया है। ओटीटी मंच पर प्रसारित होने वाली पट कथाओं में साहित्यिक भाग के साथ–साथ संगीत की गुणवत्ता भी दष्टिगोचर होती है। आधुनिक समाज की पसंद बनने के बाद भी इस मंच पर प्रसारित होने वाली विषयवस्तु में लोकगीत की महक बरकरार है एवं कहीं–कहीं लोकगीत का पाश्चात्य संगीत के साथ सम्मिश्रित रूप भी दष्टिगोचर होता है। कहने का तात्पर्य यह है कि ओटीटी मंच की विषयवस्तु ने भी लोकप्रियता अर्जित करने के लिए लोकगीत का आश्रय प्राप्त किया है। इस प्रकार मनोरंजन के डिजिटलीकरण के साथ–साथ हिन्दी सिनेमा और संगीत का भी परिवर्तित रूप जो हमारे सामने आया है यह विकसित भारत की पहचान का एक अंश होने के साथ–साथ भारतीय दर्शकों की अभिरुचि को भी दर्शाता है।

कुंजी शब्द ओटीटी, ओटीटी का इतिहास, ओटीटी फिल्में, ओटीटी गीत–संगीत, ओटीटी लोकगीत

मूल आलेख

ओटीटी एक ऐसा मंच है जहाँ आप इन्टरनेट के द्वारा अपने स्मार्टफोन या लैपटॉप आदि पर विभिन्न प्रकार की फिल्में, वेबसीरीज़ और शोज़ इत्यादि देख सकते हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए कई एक चैनल बनाए गए हैं जिसके माध्यम से आप अपने पसंदीदा विषय को घर बैठे जब चाहे देख सकते हैं। अधिकतर ओटीटी मंच का इस्तेमाल ऑडियो और वीडियो होस्टिंग तथा स्ट्रीमिग सेवा प्रदाता के रूप में किया जाता है। यानि कि यह एक ऐसा संगठन है जिसके जरिए उपयोगकर्ता इन्टरनेट के माध्यम से अपने पसंदीदा ऑडियो–वीडियो एवं अन्य मल्टीमीडिया सामग्री तक पहुचता है और अधिक स्पष्ट शब्दों में अगर कहा जाए तो अब स्ट्रीमिंग सेवाओं के जरिए उपभोक्ता को अपने उपकरण पर चयनित सामग्री डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं है, वह अपनी पसंदीदा विषय सामग्री का सीधा प्रसारण (Live) भी देख सकता है।

सुविधा इतनी है कि सोनी लिव ओटीटी चैनल पर आप क्रिकेट मैच या आपका अन्य कोई भी पसंदीदा मैच Live देख सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको निर्धारित शुल्क देना पड़ता है। यहाँ तक कि आईपीएल मैच देखने के शौकीन लोग ''जियो हॉटस्टार'' पर आईपीएल मैच भी देख सकते हैं। अधिकांशतः ओटीटी मंच उपयोगकर्ताओं को कुछ सामग्री तो निःशुल्क उपलब्ध कराते हैं तथा कुछ सामग्री के लिए निर्धारित मासिक सदस्यता शुल्क लेते हैं।

बीते तीन से चार सालों में ओटीटी का प्रभाव भारतीय जनमानस पर बहुत तेजी से पड़ा है। सच कहें तो सर्वाधिक वृद्धि भारत में कोरोना काल के समय में देखी गयी, जब लोग अपने–अपने घरों में बंद थे, मनोरंजन के साधन सीमित हो गए थे। एक ही टी.वी. सीरियल देखते–देखते मन में उदासी आ गई थी और वो कुछ नवीनता चाहते थे। तब समाज ने ओटीटी मंचों को मनोरंजन के एक अतिरिक्त विकल्प के रूप में स्वीकार किया और आज हालात यह हैं कि ओटीटी भारतीय समाज के हर तबके की पसंद बन गया है और अभी भी यह प्रक्रिया प्रगति पर है।

विश्व की अगर हम बात करें तो ओटीटी शब्द नवीन नहीं है अपितु विश्व में ओटीटी का इतिहास अत्यन्त प्राचीन है। सर्वप्रथम ओटीटी की शुरुआत 1997 में अमेरिकी बिजनेसमैन रीडहेस्टिंग्स और कम्प्यूटर एग्ज़ीक्यूटिव मार्क रैडोल्फ ने की थी। इस प्रकार पुराने दौर में भी फिल्मों के शौकीन लोगों के लिए नेटफ्लिक्स मनोरंजन का एक सरल माध्यम साबित हुआ।

अब अगर हम भारत की बात करें, तो भारत में सर्वप्रथम ओटीटी मंच की शुरुआत रिलाइंस इंटरटेनमेंट ने की थी। इसके बाद 2008 में पहला ओटीटी मंच बिगफ्लिक्स था। इसके पश्चात सन 2010 में डिजीवाइव ने नेक्स जी टीवी के नाम से ओटीटी मोबाइल ऐप की शुरुआत की। जिसमें लाइव वीडियो देखने के साथ–साथ टीवी देखने की सुविधा भी प्रदान की गई थी। भारत में ओटीटी चैनल की सटीक संख्या बता पाना तो मुश्किल है लेकिन दर्शकों में बढ़ती लोकप्रियता के कारण ओटीटी चैनल की संख्या घटती–बढ़ती रहती है। लेकिन हाँ, भारत सरकार के अनुसार, इस समय भारत में ओवर–द–टॉप सेवाओं के लगभग 57 प्रदाता उपलब्ध हैं जो इन्टरनेट पर वीडियो ऑन डिमांड सेवाएं देते हैं।

ओटीटी मंच मनोरंजन का एक बहुत उत्तम साधन साबित हुआ है। ओटीटी चैनल पर केवल हिन्दी ही नहीं बल्कि कई एक भाषाएं जैसे – तमिल, मलयालम, अंग्रेजी आदि भाषाओं में भी मनोरंजन की विषयवस्तु उपलब्ध कराई जाती है।

भारत में सर्वाधिक प्रसिद्धि प्राप्त किए हुए ओटीटी मंच में सर्वप्रथम नाम आता है हॉटस्टार का। यह सन 2015 में प्रारंभ हुआ। हाल ही में इस मंच ने वाल्टडिज़्नी से जुड़कर खुद को डिज़्नी+हॉटस्टार बना लिया है। इस पर आप हिन्दी फिल्मों का भरपूर आंनद ले सकते हैं। इसके बाद साल 2016 में अमेजन प्राइम और भारत में भी नेटफ्लिक्स और 2018 में ''ज़ी'' की शुरुआत की गई। तत्पश्चात ''सोनीलिव'', ''ए एलटी बालाजी'', ''इरोज़ नाओ'', ''मैक्स प्लेयर'', ''अरे'' ने भी दर्शकों को फिल्में, वेबसीरीज़, शोज़ और ओरिजिनल कन्टेंट (विषय वस्तु) भी उपलब्ध कराए।

गीत–संगीत के विषय में अगर हम ओटीटी मंच की बात करें तो इसमें और अमेजोन म्युजिक, एप्पल म्युजिक, गाना, गुगल प्ले म्युजिक, जीओ सावन, स्पोटिफाई, हंगामा, विंक, साउण्ड क्लाउड और यूट्यूब म्युजिक हैं जिन पर आप विभिन्न भाषाओं के गाने सुन सकते हैं।

ओटीटी मंच यहीं तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि ओटीटी मंच पर प्रसारित होने वाली फिल्मों और वेबसीरीज़ के गानों में भी लोकगीत की झलक एवं उसका सम्मिश्रित रूप बड़ी प्रबलता से दिखाई पड़ रहा है। इसका सबसे प्रमुख उदाहरण हम ''हीरामंडी'' वेबसीरीज़ से ले सकते हैं। ये वेबसीरीज़ फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली के द्वारा सन 2024 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ की गई थी।

इस वेबसीरीज़ के गीत 'सकल बन' लोकगीत का भाव लिए हुए प्रतीत होता है। इस गीत को 'अमीर खुसरो' ने लगभग 700 वर्ष पूर्व अपने गुरु हज़रत निजामुद्दीन औलिया के लिए लिखा था। इस गीत में बसंत पंचमी पर प्रकृति का नैसर्गिक सौन्दर्यात्मक वर्णन किया गया है। इस गीत में लोकगीत, लोकभषा, लोक संस्कृति के साथ–साथ शास्त्रीयता का भी अनूठा मिश्रण स्पष्ट दिखाई देता है।

इस वेबसीरीज़ में ये गीत गायक राजा हसन की रौबीली आवाज में हमें सुनने को मिलता है। इसी क्रम में 13 दिसम्बर 2024 को आयी वेबसीरीज ''मिस्मैच्ड 3'' का बलमा बलमा बलमा रंग लागयो गीत भी लोक संगीत से ही प्रेरित है। इस गीत में राजस्थानी लोकभाषा और लोकगीत का सुन्दर ताना–बाना दिखाई पड़ता है। इस गीत की रचना अक्षत नागपाल ने राजस्थानी लोक कलाकार दीने खान के साथ मिलकर की। इस गीत की धुन दीने खान की दादी के द्वारा विवाह उत्सव में गाए जाने वाले गीत से ली गयी थी। इस गीत में राजस्थान की मिट्टी की खुशबू स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है।

इसी प्रकार सन 2020 में सोनी लिव पर वेबसीरीज़ ''स्कैम 1992 : दि हर्षद मेहता स्टोरी'' आयी। इसमें फिल्माया गया गीत ''मत कर माया का अहंकार'' मनुष्य की भौतिक इच्छाओं और अहंकार के परित्याग के विषय में बताता है। ये गीत संत कबीरदास जी के दोहा/भजन से लिया गया है जिसे हम लोकगीत की श्रेणी में रखते हैं। इस गीत में लोकवाद्यो का भी आधुनिकता के साथ प्रयोग किया गया है। कबीर कैफ़े संगीत बैण्ड के सदस्यों ने अपने सुर और साज़ इस गीत को प्रदान किए हैं।

एक अन्य उदाहरण से भी लोकगीत की व्यापकता को समझने का प्रयास करते हैं। दिसम्बर 2022 में प्रसारित हुई फिल्म ''कला'' का गीत 'फेरो ना नजर से नजरिया' भी लोकगीत का ही भाव लिए हुए दिखाई देता है। ये गीत भोजपुरी लोकगीत से प्रभावित है, साथ ही साथ लोकवाद्यों जैसे तबला, सितार, सारंगी और वाइब्राफोन जैसे वाद्यों की ध्वनि एवं इसके साथ ही सिरीशा भागवतुला की आवाज इस गीत में चार चांद लगाती हुई प्रतीत होती है। इसी फिल्म का एक और गीत 'जाने बलमा घोड़े पे क्यों सवार है' भी लोकगीत की श्रेणी में ही आता है। यह गीत भी सिरीशा की आवाज में ही रिकार्ड किया गया है।

इसी प्रकार 3 मार्च 2023 को डिज़्नी+हॉटस्टार पर प्रसारित हुई फिल्म ''गुलमोहर'' का एक 'गीत मन पे जी वो रंग डारो झूमे होरी में' गीत भी लोक संगीत का ही परिचय देता है। पुष्पों की होली और फाल्गुन का आनदं लेते परिवार का सुन्दर दृश्य इस फिल्म में फिल्माया गया है। उत्तर प्रदेश की होरी को आधुनिक धुन और वाद्यों के साथ जोड़कर होरी का एक नवीन स्वरूप इस गीत में झलकता है। गायिका कविता सेठ की आवाज और शहनाई एवं वांसुरी की धुन ने इस गीत को सुन्दर बनाया है।

5 मई 2023 को डिज़्नी+हॉटस्टार पर प्रसारित हुई भारतीय वेबसीरीज़ '' सास, बहु और फ्लेमिंगो'' का एक गीत 'अदासांई भी सिंधी लोकगीत है। इस गीत में आवाज़ देवराज गढ़वी और वंदना गढ़वी ने दी है।

14 अक्टूबर 2022 को नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हुई हिन्दी वेबसीरीज़ मिसमैच्ड़ सीज़न–2 का गीत है ''हो म्हारा मिठूड़ा मेहमान भला आवेया'' यह गीत भी राजस्थानी लोकगीत पर आधारित है। इस गीत में राजस्थानी भाषा के साथ–साथ फिल्मांकन में भी राजस्थान के परिदृश्य को सुन्दरता से दिखाया है। अमित त्रिवेदी और शिवानी कश्यप ने अपने सुरों से इस गीत को सजाया है।

21 नवम्बर 2024 को अमेज़न प्राइम वीडियो पर प्रसारित हुई वेबसीरीज़ ''वंदिश बैंडिट्स'' का गीत 'पधारो म्हारे देश' भी राजस्थानी लोकगीत है। लेकिन इस गीत को कुछ नये शब्दों के साथ गाकर, गायक शंकर महादेवन ने अपनी सुरीली आवाज़ से रंग भरा है। आधुनिकता के साथ सम्मिश्रित ये राजस्थानी लोकगीत भारतीय लोक संस्कृति को दर्शाता है।

इसी प्रकार 28 मई 2024 को अमेज़न प्राइम वीडियो पर प्रसारित हुई वेबसीरीज़ ''पंचायत'' का गीत ''के राजा जी'', एक भोजपुरी लोकगीत है, जो कि बच्चे के जन्म के अवसर पर सोहर के रूप में गाया जाता है। इस गीत को मनोज तिवारी जी ने गाया है। इस गीत में बच्चे के उज्जवल जीवन की कामना की गई है।

21 नवम्बर 2024 को अमेज़न प्राइम वीडियो पर प्रसारित हुई वेबसीरीज़ ''वंदिश बैंडिट्स'' का गीत ''हिचकी'' में भी लोकभाषा का संक्षिप्त प्रयोग राजस्थानी लोकसंगीत से प्रेरित होकर किया गया है। इस गीत में राजस्थानी लोक सांगीतिक भाषा और पाश्चात्य संगीत शैली का मिश्रित रूप स्वरूप खान और पूर्वी की आवाज में सुनने को मिलता है।

उपरोक्त उदाहरणों से हम यह भली–भाँति समझ सकते हैं कि भले ही ओवर–द–टॉप, (ओटीटी) मंच आधुनिक समाज की पसंद बन गया है लेकिन गीत–संगीत की बात अगर की जाए तो आज भी ओटीटी मंच ने लोक संगीत का साथ कहीं भी छोड़ा नहीं है। हाँ, यह बात अवश्य कही जा सकती है कि लोक संगीत का शुद्ध रूप दिखाई कम ही देता है लेकिन अगर गीत को समझकर सुना जाए तो यह ज्ञात अवश्य होगा कि यह अमुक प्रांत की लोकभाषा या लोकगीत है, या फिर लोकसंगीत से प्रभावित गीत है। सकारात्मक सोच रखकर अगर सोचा जाए तो ओटीटी मंच के माध्यम से गायक कलाकार लोकसंगीत का एक नया रूप प्रस्तुत कर पाए हैं। और अगर सोच थोड़ी नकारात्मक या धारा प्रवाह के विरुद्ध बहने की हो तो ऐसा लगना फिर स्वाभाविक है कि लोकसंगीत का रूप कहीं न कहीं बिगाड़ दिया गया है। इस शोध पत्र के माध्यम से भावी युवा पीढ़ी और शोधार्थियों को यही संदेश है कि

अपनी सोच को हमेशा सकारात्मक रखें। कुछ नया सोचने का प्रयास करते रहें। एक ही स्थान और परिवेश में अटक कर रह जाना मनुष्य की सोच को कहीं न कहीं सीमित कर देता है। ऐसा मेरा मानना है। इसीलिए धारा प्रवाह के साथ बहना और निरंतर कुछ न कुछ नया खोजना एवं सीखना मनुष्य को सफलता के उच्च शिखर तक पहुचा ही देता है।

निष्कर्ष :

अतः निष्कर्ष रूप में यह बात सिद्ध होती है कि ओटीटी मंच की फिल्मों और वेबसीरीज़ ने भी लोकप्रियता हासिल करने और संगीत का उत्कृष्ट रूप समाज को दिखाने हेतु लोकसंगीत का सहारा लिया है। भले ही आज का समाज पाश्चात्य सभ्यता की ओर जल्दी आकर्षित हो जाता है किंतु लोकगीत की एक थाप में इतना दम है कि वह दूर बैठे इन्सान को भी अपने मोह–पाश में बांध लेती है। यह भी कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि लोकगीत ही संगीत की सभी शैलियों का आधार स्तम्भ है। ओटीटी मंच पर फिल्मों और वेबसीरीज़ का सिलसिला रुकने वाला नहीं है। अतः इस दिशा में निरंतर नवीन शोधकार्य भी होते रहने चाहिए जिससे कि लोकगीत में किए गए नवीन प्रयोगों को पाठकों और समाज के द्वारा समझा जा सके, साथ ही साथ लोकसंगीत का धारा प्रवाह अपने नवीन रूप और श्रृंगार में ढलता हुआ निरंतर अग्रसर होता रहे। इस शोध कार्य के माध्यम से हमें यह भी ज्ञात हुआ है कि लोकसंगीत के लिए एक मंच यह (ओटीटी) भी है जहाँ संगीत कलाकारों के द्वारा लोकसंगीत के क्षेत्र में किए गए नवीन प्रयोग समाज के हर एक वर्ग की पसंद बनते जा रहे हैं। अतः शोध के क्षेत्र में भी यह विषय नवीनवता एवं कलात्मकता लिए हुए निरन्तर अग्रसर होता प्रतीत हो रहा है।

संदर्भ सूची –

1. Songs on OTT are used to pull the audience to story ' by Niharika Lal,https://timesofindia. indiatimes.com/entertainment/hindi/bollywood/news/songs-on-ott-are-used-to-pull-the-audience-to-story/articleshow/99747656.cms.
2. Kamariya to Sanedo: Latest Bollywood songs that are inspired by popular Gujarati folk numbers by TIMESOFINDIA, https://timesofindia.indiatimes.com/entertainment/hindi /bollywood/news/kamariya-to-sanedo-latest-bollywood-songs-that-are-inspired-by-popular-gujarati-folk-nubers-articleshow/ 71472066.cms.
3. Move over Mainstream Movie Soundtracks, OTT Songs is where it's At by Anurag Tagat, https://rollingstoneindia.com/ott-soundtracks-mismatched-bandish-bandits - bollywood.
4. https://www.google.com
5. https://youtube.com / shorts / wyigwtcjcbM?si=bglVM8uw32gjBMGW
6. https://youtube/ybh1VA08SM?si=4V6DOQID0_7x-5X
7. History of OTT, https://www.scribd.com/document/515281213/History - of - OTT
8. https:// en.wikipedia. org/wiki/over-the-top-media-services-in-india

9. Top49+OTTstatisticsin2026(Market,Data&Trends)byVijayAmritham, https://www.vplayed.com/blog/ott-statistics/
10. India's OTT growth story : the past, the present and the future by Shailesh Kapoor, https://www.afaqs.com/news/guest-article/indias-ott-growth-story-the-past-the-present- and-the-future
11. OTT प्लेटफॉर्म्स, https://www.drishtiias.com
12. OTT in India: नेटफ्लिक्स या अमेजन नहीं बल्कि ये था भारत का पहला ओटीटी प्लेटफार्म, हर्षिता सक्सेना, एन्टरटेनमेंट डेस्क, अमर उजाला, https://www.amarujala.com / photo-gallery / entertainment / bollywood / bigflix - was - the - first - ott - platform - of - india - launched - in - 2008 - by - reliance - entertainment
13. आज के जमाने का नहीं है ओटीटी पर धाक जमाने वाला Netflix, गूगल से भी पहले 1997 में हो गया था लॉन्च by Deeksha Chabra,https://www.abplive.com / entertainment / ott / how - and - when - did - netflix - start - know - everything - about - this - ott - platform - 2195724